INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Class Work
LESSON- रहीम के दोहे	**Topic: Question Bank**	**Note:** अभ्यास पुस्तिका पर लखना

अति लघु प्रश्न

प्रश्न-1 सच्चे मत्र की पहचान कब होती है?
उत्तर - सच्चे मत्र की पहचान वपत्त पड़ने पर होती है।

प्रश्न-2 लोग सगे-संबंधी कब बन जाते हैं?
उत्तर- संपत्त होने पर लोग सगे-संबंधी बन जाते हैं।

प्रश्न-3 कौन से महीने में बादल सर्फ गरजते हैं, बरसते नहीं हैं?
उत्तर- क्वार महीने में बादल सर्फ गरजते हैं, बरसते नहीं हैं।

प्रश्न-4 मनुष्य के शरीर की सहनशक्ति कसके समान है?
उत्तर- मनुष्य के शरीर की सहनशक्ति धरती के समान है।

प्रश्न-5 कस प्रकार के व्यक्ति अपने द्वारा इकट्ठे कए गए धन से दूसरों का भला करते हैं?
उत्तर- परोपकारी व्यक्ति अपने द्वारा इकट्ठे कए गए धन से दूसरों का भला करते हैं।

लघु प्रश्न

प्रश्न-1 सच्चे मत्र की क्या वशेषता होती है?
उत्तर- सच्चा मत्र सदैव मार्गदर्शक होता है, सच बोलता है, प्रत्येक कार्य में सहयोगी होता और संकट के समय साथ नहीं छोड़ता।

इसका क्या प्रमाण है?
उत्तर- जल को मछलयों से कोई प्रेम नहीं होता। इसका यह प्रमाण है क मछलयों के जाल में फँसते ही जल उन्हें छोड़कर आगे बह जाता है।

प्रश्न-3 सज्जन और वद्वान के संपत्त संचय का क्या उद्देश्य होता है?

उत्तर- सज्जन और वद्वान संपत्त का संचय दूसरों की भलाई के लए करते हैं। उनका धन हमेशा दूसरों की भलाई में खर्च होता है।

प्रश्न-4 कंगाल होने के बाद अमीर व्यक्ति क्या करते है?

उत्तर– कंगाल होने के बाद अमीर व्यक्ति अपने पछले समय की बड़ी-बड़ी बातें करते रहते हैं, जिनका कोई मूल्य नहीं होता है।

दीर्घ प्रश्न - मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न-1 रहीम जी मनुष्य को धरती के माध्यम से क्या सीख देना चाहते हैं?

उत्तर- रहीम जी मनुष्य को धरती के माध्यम से सीख देना चाहते हैं क जैसे धरती सरदी, गरमी व बरसात सभी ऋतुओं को समान रूप से सहती है, वैसे ही मनुष्य को भी अपने जीवन में सुख-दुख सहने की क्षमता होनी चाहिए।

प्रश्न-2 रहीम जी ने क्वार के बादलों की तुलना कससे और क्यों की है?

उत्तर- रहीम जी ने क्वार के बादलों की तुलना उन लोगों से की है जो धनवान से निर्धन हो चुके हैं। वैसे लोग जब उन दिनों की बातें करते हैं, जबक वे धनी तथा सुखी थे, तो उनकी बातें पूर्णतः क्वार के बादलों की तरह खोखली गरज जैसी होती है। क्वार के बादल केवल गरजते हैं, बरसते नहीं। उसी प्रकार धनी लोग निर्धन होकर केवल अपनी अमीरी की बातें ही करते हैं।

प्रश्न- MCQ निम्न ल खत प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर ल खए :

इस दोहे में क्या बताया गया है**?**

A) जल मछली से सच्चा प्रेम करता है

B) जल मछली से प्रेम नहीं करता

C) जाल मछली से प्रेम करता है

D) जाल पानी से प्रेम करता है

✓ उत्तर: B) जल मछली से प्रेम नहीं करता

इस दोहे का भाव है:

A) पेड़ और तालाब स्वार्थी होते हैं

B) सज्जन व्यक्ति दूसरों के हित में कार्य करते हैं

C) प्रकृति से हमें कुछ नहीं सीखना चाहिए

D) पेड़ स्वयं अपने फल खाते हैं

✓ उत्तर: B) सज्जन व्यक्ति दूसरों के हित में कार्य करते हैं

इस दोहे में कव ने कन लोगों की तुलना बिना जल वाले बादलों से की है**?**

A) सच्चे और कर्मशील लोग

B) ज्ञानी और मनीषी

C) डींगे हाँकने वाले और व्यर्थ बोलने वाले लोग

D) मौन और शांत लोग

✓ उत्तर: C) डींगे हाँकने वाले और व्यर्थ बोलने वाले लोग

इस पंक्ति में रहीम कसकी प्रशंसा करते हैं**?**

A) लोभी व्यक्ति की

B) दानशील और सज्जन व्यक्ति की

C) धन संचय करने वाले की

D) दुखी व्यक्ति की

✓ उत्तर: B) दानशील और सज्जन व्यक्ति की

पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लखए।

संकेत बिंदु- मत्रता का महत्व, अच्छे मत्र का लक्षण, लाभ-हानि |

कोई भी मनुष्य बिना मत्र के नहीं रहता। प्रत्येक व्यक्ति का कोई न कोई मत्र होता ही है| कभी—कभी यही मत्र बेहद अजीज हो जाते हैं। इनसे हम अपने मन की हर बात कह सकते हैं। मत्र साथ होते हैं तो जीवन के दुखों को कम करने में मदद करते हैं। एक सच्चा मत्र अपने मत्र को हमेशा उचत कार्य करने की सलाह देता है। इस दुनिया में सच्चे मत्र को ढूँढ पाना बहुत कठिन है। अगर आप अच्छे दोस्त के साथ रहते हैं तो वह हमेशा आपको सही सलाह देकर आपका मार्गदर्शन करेगा। अच्छा मत्र सुख ही नहीं दुख में भी साथ निभाता है। इस स्वार्थ की दुनिया में अच्छा मत्र मलना मुश्किल होता है। कभी—कभी मत्र हमारे लए परिवार से बढ़कर हो जाते हैं और कभी—कभी उनसे बात भी करने का मन नहीं करता। मत्र होने का सबसे बड़ा फायदा ये होता है क मत्र मुश्किल वक्त में हमें कभी अकेला नहीं छोड़ते हैं। अच्छा दोस्त होने के लए वफादारी बहुत जरूरी है।

पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लखए।

संकेत बिंदु-

जीवन में एक उद्देश्य, डॉक्टर बनने का महत्व , लक्ष्य प्राप्त करने के उपाय लक्ष्य के प्रति समर्पण |

हर व्यक्ति का लक्ष्य होना अत्यंत आवश्यक है। मेरे जीवन का लक्ष्य एक सफल डॉक्टर बनना है। बचपन से ही मैं डॉक्टरों को लोगों की सेवा करते हुए देखता आया हूँ, और यह मुझे हमेशा प्रेरित करता रहा है। डॉक्टर बनकर मैं समाज की सेवा करना चाहता हूँ और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार लाना चाहता हूँ। डॉक्टर बनने का महत्व मेरे लए डॉक्टर बनना केवल एक पेशा नहीं है, बल्कि यह एक सेवा का माध्यम है। डॉक्टर न केवल बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि मरीजों को मानसक और भावनात्मक समर्थन भी प्रदान करते हैं। एक डॉक्टर के रूप में, मैं लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना चाहता हूँ। डॉक्टर बनने के लए मुझे कठिन परिश्रम और समर्पण की आवश्यकता है। इसके लए मैं अपनी शक्षा पर वशेष ध्यान दे रहा हूँ और वज्ञान के वषयों में अच्छी पकड़ बना रहा हूँ। मैं अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पत हूँ और हर दिन इसे प्राप्त करने के लए मेहनत कर रहा हूँ। मेरा उद्देश्य केवल एक सफल डॉक्टर बनना ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनना है जो समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता हो।